# मीना दिवस (24 सितम्बर) – विद्यालय स्तरीय एजेंडा एवं गतिविधियाँ

| क्रम संख्या | समय | करयाक्रम कर विवरण | प्रभार / दायित्व |
|---|---|---|---|
| 1 | 9:00 a.m | मीना दिवस का शुभारम्भ - प्रार्थना सभा में "मीना गीत" या प्रेरणादायक गीत।<br>स्वागत एवं उद्देश्य परिचय । | प्रधानाध्यापक / शिक्षक-शिक्षिका |
| 2 | 9:30 am | मीना दिवस क्यों मनाया जाता है और मीना मंच की संक्षिप्त जानकारी।<br>मीना दिवस पर माता–पिता तथा अभिभावकों से अपील।<br>*(यह अपील पॉवर एंजिल द्वारा माता–पिता तथा अभिभावकों के समक्ष प्रस्तुत की जाये। )*<br>**इसके लिए एजेंडा की आखिर मे लगे नोट को देखे** | मीना मंच सुगमकर्ता /पॉवर एंजेल |
| 3 | 10:30 am | मूल्य वृक्ष एक्टिविटी<br>1. शिक्षक/शिक्षिका चार्ट पेपर पर एक बड़ा पेड़ बना दें – जिसमें तना और शाखाएँ साफ़ नज़र आएँ।<br>2. हरी, पीली, लाल रंग की स्टिकी नोट/चार्ट पेपर पहले से पतियों वह फल की तरह काटकर जा सकती हैं।<br>बच्चों के लिए निर्देश<br>● हर बच्चे को 1–2 पत्तियाँ दी जाएँ।<br>● उन पर बच्चा एक सरल मूल्य लिखे या चित्र बनाए।<br>○ उदाहरण:<br>■ "मीना की तरह पढ़ाई करना"<br>■ "तारा की तरह बहादुर बनना"<br>■ "किटी की तरह मददगार बनना"<br>■ "अदरक की तरह सवाल पूछना"<br>● जो बच्चे लिख नहीं पाते, वे शिक्षक की मदद से चित्र बना सकते हैं (जैसे किताब, दिल, दोस्त हाथ मिलाते हुए आदि)।<br>● फिर सब बच्चे अपनी पत्तियाँ आकर पेड़ पर चिपकाएँ।<br>नतीजा<br>● एक सुंदर "मूल्य वृक्ष" (Value Tree) तैयार होगा। | मीना मंच सुगमकर्ता / सभी शिक्षक-शिक्षिका |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | • बच्चे गर्व से देखेंगे कि *उनके सारे अच्छे गुण मिलकर एक मजबूत पेड़* बना रहे हैं। | |
| | 11:00 am | **अभिभावक सहभागिता**<br><br>**अरमान मोडुल सत्र-3- क्यों करें हम इनमें अंतर?**<br><br>उद्देष्यः लड़के व लड़कियों के बीच के भेदभाव को समझना और दूर करना।<br><br>सामग्रीः चार्ट पेपर, चित्र, पेन्सिल, रबर इत्यादि।<br><br>गतिविधिः<br><br>• खेल विधि द्वारा<br>• उपस्थित माता-पिता को दो समूह में बांटे। ( समस्त गतिविधि के लिए अरमान मोडुल सत्र-3 देखे( | मीना मंच सुगमकर्ता / सभी शिक्षक-शिक्षिका |
| 4 | 11:30 am | ब्रेक | |
| 5 | 12:30 pm | **गतिविधि: मेरा मूल्यों का मंच**<br>**उद्देश्य:** बच्चे मीना, अदरक, तारा और किटी से गुण सीखें और उन्हें अपनाने का संकल्प लें।<br><br>**सामग्री:** A4 शीट, स्केच पेन/रंगीन पेंसिल, स्टिकर्स (वैकल्पिक)।<br><br>**प्रक्रिया:**<br><br>• बच्चों को वर्कशीट दी जाए।<br><br>• वे लिखें :<br>• मेरा नाम _____ है।<br><br>• मैं किन गुणों को अपनाना चाहता/चाहती हूँ …<br>○ मीना की तरह … (पढ़ाई करना, स्कूल न छोड़ना)<br><br>○ अदरक की तरह … (सवाल पूछना, नई बातें सीखना)<br><br>○ तारा की तरह … (बहादुर बनना, साथ निभाना)<br><br>○ किटी की तरह … (मदद करना, खुश रहना) | मीना मंच सुगमकर्ता / सभी शिक्षक-शिक्षिका |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | • अंत में लिखें: *"मैं रोज़ इन मूल्यों को अपनाऊँगा/अपनाऊँगी।"*<br><br>**अंतिम परिणाम:**<br>हर बच्चे के पास एक व्यक्तिगत पन्ना होगा जिसे वे अपने पास या घर पर लगाकर रोज़ देख सकें और प्रेरित हो सकें | |
| 6 | 1:30 pm | संकल्प एवं शपथ – सभी छात्र सामूहिक रूप से बोलें: "हम शिक्षा, समानता और सहयोग के मूल्यों को अपनाएँगे।" | मीना मंच सुगमकर्ता |
| 7 | 2:00 pm | **समापन** – सभी गतिविधियों का सारांश और बच्चों की वर्कशीट/पोस्टर/रचनाओं की प्रदर्शनी। | प्रधानाध्यापक / सभी शिक्षक-शिक्षिका |

**मीना दिवस क्यों मनाया जाता है?**

- मीना दिवस हम हर साल 24 सितंबर को मनाते है। इसका उद्देश्य लडकियों की शिक्षा, उनके अधिकारों और समाज में उनकी समान भागीदारी के लिए जागरूकता बढाना है।
- आज भी हमारे समाज में कई जगहों पर लडकियों को लडकों की तरह समान अवसर और अधिकार नहीं मिल पाते हैं। मीना इस असमानता के खिलाफ आवाज उठाती है और हमें याद दिलाती है कि हर लडकी को शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान का अधिकार है।
- मीना एक कार्टून कैरेक्टर है जिसे यूनिसेफ ने बनाया था। यह एक बहादुर, होशियार और दयालु लडकी है जो निडर और बहादुर है तथा समाज में लडकियों के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करती है।
- मीना की कहानी हमें सिखाती है कि हर बच्चा, चाहे वह लड़की हो या लड़का, अपनी मेहनत और लगन से कुछ भी कर सकता है।लड़कियाँ भी पढ–लिखकर डॉक्टर, इंजीनियर, टीचर और पायलट बन सकती हैं। वे अपने सपनों को पूरा कर सकती हैं और समाज को बेहतर बनाने में मदद कर सकती हैं ।
- मीना दिवस के दिन, हम मीना को याद करते हैं और लडकियों के अधिकारों के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लेते हैं। हम यह करेगें कि हमारे समाज की हर लडकी को समान अवसर मिलें और वह एक सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी सके।

**मीना दिवस पर माता–पिता तथा अभिभावकों से अपील**

**यह अपील पॉवर एंजिल द्वारा माता–पिता तथा अभिभावकों के समक्ष प्रस्तुत की जाये**

मीना दिवस के इस पावन अवसर पर, हम आप सभी से लडकियों की शिक्षा, उनके अधिकारों और समाज में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष अपील कर रहे हैं।

आज भी हमारे समाज में कई जगहों पर लडकियों को लडकों की तरह समान अवसर नहीं मिल पाते हैं। शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य और रोजगार तक, उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पडता है। मीना की कहानियाँ हमें इन्हीं चुनौतियों से लडने का हौसला देती हैं और हमें याद दिलाती हैं कि हर लडकी का शिक्षित होना और अपने पैरों पर खडा होना कितना महत्वपूर्ण है।

**इस मीना दिवस पर, आइए हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करने का संकल्प लें कि–**

- हर लडकी को स्कूल भेजें, शिक्षा ही वह सबसे महत्वपूर्ण हथियार है, जो लडकियों को आत्मनिर्भर और सशक्त बना सकता है।

- बेटियों को सपने देखने दें अपनी बेटियों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्हें बताएं कि वे डॉक्टर, इंजीनियर, टीचर या जो चाहें बन सकती हैं।
- घर और समाज में समान अधिकार दें, अपनी बेटियों को घर के कामों तक ही सीमित न रखें। उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल करें और उन्हें अपनी बात कहने का मौका दें।
- बेटियों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करें, अपनी बेटियों को एक ऐसा वातावरण दें, जहाँ वे बिना किसी डर के रह सकें और अपनी पूरी क्षमता से विकास कर सकें।

यह अपील सिर्फ एक दिन के लिए नहीं है, बल्कि एक जीवन भर की जिम्मेदारी है। आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे समाज का निर्माण करें, जहाँ हर लडकी को समान अवसर और सम्मान मिले और वह अपनी पूरी क्षमता से विकास कर सके।
धन्यवाद।